



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 142]
No. 142]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 28, 1989/श्रावण 6, 1911
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 28, 1989/SRAVANA 6, 1911

इस भाग के भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 150 आई टी सी (पी एन)/88-91

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1989

विषय — जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान किए गए 11 414 बिलियन येन, येन क्रेडिट ऋण सं आई टी सी -53 के अंतर्गत महाराष्ट्र सरकार की घाटघर पम्पड स्टोरेज परियोजना (सिखाई विभाग) के कार्य-न्वयन के लिए उपस्कर एवं सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

(फाइल सं आई टी सी/23/53/88-91 — जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान किए गए 11 414 बिलियन येन, येन क्रेडिट ऋण सं आई टी सी -53 के अंतर्गत महाराष्ट्र सरकार की घाटघर पम्पड स्टोरेज परियोजना (2x125 एस डब्ल्यू) (सिखाई विभाग) के कार्यान्वयन के लिए उपस्कर एवं सेवाओं के आयात को शामिल करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

लेखक: खन्ना, मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं 150 आई टी सी (पी एन)/88-91, दिनांक 29-7-1989 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान की किये गए 11 414 बिलियन येन, येन क्रेडिट ऋण सं आई टी सी 53 के अंतर्गत महाराष्ट्र सरकार की घाटघर पम्पड स्टोरेज परियोजना (विभाग 5 विभाग) के कार्यान्वयन के लिये उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड — 1 सामान्य शर्तें

1 (1) महाराष्ट्र सरकार की घाटघर पम्पड स्टोरेज परियोजना (सिखाई विभाग) की आयात व्यापकता को विलंबित करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान किए गए 11.414 बिलियन येन का ऋण जापान और विकासशील देशों, जिनमें भारत भी सम्मिलित है के लिए खुला है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्ति नहीं की जाने वाली बचत और सेवाएं जापान और अनुसूच-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं य वेन इस ऋण के अंतर्गत खान वेन होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मर्चों और नयी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए डी जी टी/जीयन माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सी) का मूल्य 12.555 बिलियन येन (लगभग बीमा-भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य, राजस्व विभाग (सीम शुल्क) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा -2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीम शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यपारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिर्दिष्ट मूल्य के मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस मूल्य के नामे चलेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण आई टी पी - 53 होगी"। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस से "एम/जे सी" कोड होगा। पश्चिमी बंगाल राज्य विजनी बोर्ड को आयात लाइसेंस भेजने समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे दुहराया जाएगा। जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) आयात लाइसेंस लागत बीमा भाड़ा के आधार पर केवल महा-राष्ट्र के सिचार्ज विभाग के नाम में जारी किया जा सकता है।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य येन 12.555 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए। जैसा कि उपर पैरा 1(2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि के लिए की जा सकती है। आगे और वृद्धि करने के लिए आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तपोषित किए जाने वाले आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्य पित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकता का भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संस्करणों को जहाँ पर निःशुल्क/लागत और भाड़ा आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। पक्के आवेदों का अर्ध विदेशी संस्करणों को भारतीय लाइसेंसदारी द्वारा दिए गए अन्य आवेदों से हैं जो विदेशी संस्करण द्वारा विविधन वस्तुशक्ति अन्य संविदों को विदेशी संस्करणों द्वारा भारतीय अधिकताओं को दिए गए आदेश ऐसे भारतीय अधिकताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण वस्तुवैज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान, अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश वैध कारणों से चार महीनों के भीतर नहीं किए जा सकते हैं। तो

चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसदारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की ओर अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इन लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) मार्फत नहीं दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले का पात्रता के आधार पर विचार करे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे। जिससे वे लाइसेंसदारी को प्रेषित करें। लाइसेंसदारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और त्रिभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संस्करण ठेके से बैंक गारंटी साख पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र के तहत अपना काम करने आदि की स्वीकृति की सुविधियों की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए ठेके में मकद आधार पर अर्थात् पोतलदान वस्तुवैजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संस्करण से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की त्रण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए।

"साक्ष्य की प्राप्ति के बाद ---

महीने परन्तु अधिक से अधिक ---

के अन्त तक पूर्ण किया जाता है।"

पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30/12/1992 के बाद की न हो। खण्ड-1 संस्करण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निः शुल्क लागत और भाड़ा मूल्य येन में (येन) की मिस के बिना, अभिव्यक्ति होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकता का कमीशन यदि कोई हो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में भारतीय रुपये या किसी अन्य मुद्रा में अभिव्यक्ति नहीं होना चाहिए। अन्य आदेश और सम्भार द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अर्धों में होना चाहिए।

2(2) त्रण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और सेवाएं त्रण के अंतर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन मिश्रुओं के अनुगौर निम्नलिखित सम्पूर्ण शर्तों के साथ किए जाएंगे।

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में :—

(1) यदि पूर्वग्रहर्ता सहित औपचारिक खुनी अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से निम्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपने आप प्रस्ताव हैं तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ. ई. सी. एक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ ई सी एफ को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ साथ पूर्व अहर्ता को मूल्यांकन रिपोर्ट बोलकारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश बोली प्रपत्र प्रस्तावित ठेका विशिष्टीकरण और ड्राइंग और बोली में संबंधित अन्य वस्तावेज ओ ई सी एफ को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामलों में ठेके के निर्णय के लिए ओ ई सी एफ के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है लेकिन यदि ओ ई सी एफ अनुरोध करें तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) परामर्शियों के नियोजन हेतु ओ ई सी एफ के मार्ग दर्शी सिद्धान्तों के अनुसरण में परामर्शियों का नियोजन किया जा सकता है। परन्तु निम्नलिखित प्रलेखों के सम्बन्ध में ओ ई सी एफ की पूर्ण अनुमति लेनी चाहिए।

- (1) विचारार्थ विषय
- (2) परामर्शियों की संक्षिप्त सूची
- (3) निमंत्रण पत्र
- (4) मूल्यांकन रिपोर्ट जिसमें मूल्यांकन सार शीट भी शामिल हो

(घ) आयातक विभाग उपर्युक्त (क) (1) (क) (2) और (ख) और (ग) में उल्लिखित आवेदन पत्र दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ ई सी एफ को भेजे जायेंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान उनके नाम में भारतीय बैंक टोकियो द्वारा 1988-89 के लिए ओ ई सी एफ येन क्रेडिट (परियोजना सहायता सं. आई. डी पी - 53 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साख-पत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका व्योरा नोचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाईसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिये आयात लाईसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किये गये तथा पंजीकृत किये गये पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक द्वारा शासित वैध व्यक्ति होंगे।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बना हुई सामग्री निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एकक का मूल्य मददारे आधार पर आयातित भाग का 50 प्रतिशत से कम हो :-

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क

संभरक का जहाज पर निः शुल्क मूल्य

(भारतीय संभरक के मामले में एक्स फैक्ट्री मूल्य अपनाया जाएगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक को पात्रता और संभरक क हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी।

"मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि सम्प्रति किया जाने वाला माल ----- (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।"

"मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग में निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है:-

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$ "

संभरक का जहाज पर निः शुल्क मूल्य

(जहां एक्स फैक्ट्री मूल्य लागू होता हो)

"मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि-----

(पात्र स्रोत देश का नाम) में-----

(कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और उनके पास उत्पादन या माल एवं सेवाएं प्रदान करने की उचित गुविधाएं (पात्र स्रोत देश का नाम) और वे जहां अपना व्यापार करते हैं।

खण्ड-3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) के बीच घाटवर पम्पड स्टोरेज परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आई डी पी-53 (परियोजना सहायता से संबंधित 15 दिसम्बर 1988 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरणों को भुगतान भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी 53 से संबंधित 15 दिसम्बर 1988 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किये जायेंगे।

(ग) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा येन ऋण के अधीन अपेक्षित हो।

(घ) 2(6) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास टोकियो को शामिल माल की सुपदगी के कार्यक्रम से अवगत करायेगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके विशेष मामलों में जहां भारतीय आयात इच्छुक हो सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात आवश्यक व्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ ई सी एफ द्वारा 4(1) के भीतर ठेके की पुनरीक्षा

लाईसेंसधारी को पक्के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर दूर संचार विभाग और विदेशी संभरणों दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की कार प्रतियां जो विदेशी संभरणों द्वारा लिखित

पुष्टि आदेश के साथ हो या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत बैंक अधिनियम लाईसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेके के लिए ठेकों की विषय वस्तु के लिए अनिवार्य आशोधनों के कारण संशोधनों या इनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एफ की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके निर्णय के नोटिस और ठेके की एक एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाईसेंस की फोटो काफ़ी और "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन की एक प्रति के साथ सी. ए. ए. एंड ए. क कार्यालय को भेजेगा।

खंड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान साखपत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया को टोकियो बांच सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र छोलनी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ ई सी एफ भारतीय दूतावास टोकियो आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास टोकियो में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी. ए. ए. एंड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपयुक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साखपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होंगी।

5(3) माल का पोतलदान कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकरो के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) उसके अंतर्गत परकाम्य हेतु साखपत्र खोलने के लिए बैंक आफ इंडिया को अदा किए जाने वाले बैंक प्रभार और विदेशी संभरक के बैंक के प्रभार यदि कोई हो उनका वहन आयातक/विदेशी संभरक द्वारा किया जाएगा ओ ई सी एफ ठेके के मूल्य 1/10 प्रतिशत (0.1) प्रतिशत के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा स्वयं ऋण निधियों में से चुकाई जाएगी।

ओ ई सी एफ या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को वचनबद्धता पत्र के खर्चों की तुल्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा करानी होगी। प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अंतर्गत भी आयातक द्वारा 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाना है, बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार जिसे विदेशी संभरक द्वारा आयातों की लागत की अदायगी की तारीख से ओ ई सी एफ द्वारा प्रतिपूर्ति की तारीख तक गिना जायेगा और बैंक आफ इंडिया के

साखपत्र को खोलने, रख रखाव और परिचालन पर किए गए अन्य खर्चों की अदायगी प्रथमतः भारतीय दूतावास, टोकियो द्वारा की जाएगी और बाद में उसे संबंधित विभाग के खाते में डाला जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया ऋण समझौते की प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रूपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो, मंगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को परकाम्य पोतपरिवहन दस्तावेज भेजेगा तथा बैंकर यह सुनिश्चित करेगा कि रूपया अनिवार्य रूप से पोत दस्तावेज रिलीज होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक लीस हजारी, दिल्ली में जमा कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये पर ब्याज प्रभार की समय-समय पर प्रचलित दर जो वर्तमान समय में प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अवधि के लिए 18% प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप में रूपया जमा कराने की तिथि तक का हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ ब्याज प्रभार भी सरकारी लेखे में जमा कराना है। यह भी नोट किया जाए कि ब्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रूपया जमा किया जाता है, देने है। देखित सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत परिवहन आदि दस्तावेजों की देरी या विलम्ब से प्राप्ति को, रूपया निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अर्पनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और संख्या 8-आई टी सी (पी एन) 76 दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाना तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और माल की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए

वापें। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रूपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिटस एंड ऐडवांसिमेंट्स-8443 सिविल डिपॉजिटस-डिपॉजिटस फार परचेजिज एंडर्राड् अग्र्राड्-परचेज अण्डर क्रेडिटस/लोम एपीमेटस", लोम कोम रि गवर्नमेंट आफ जापान 11.414 विनियम येन क्रेडिट सं ग्राई टी पी - फार दी माटघर पम्पड स्टोरेज परियोजना होना चाहिए।

6(2) चालान के वापें कोने में कौड नं. 5130000009 दणनि हुए उपर्युक्त धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीम हजारी, दिल्ली में सरकार के क्रेडिट में नकद जमा होना चाहिए। जैसा कि इस संबंध में समय समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट है।

6(3) सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी नाम किए जाने के बाद सात दिनों के अंदर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी उपर्युक्त निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजना जो वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालों को भरने समय आयातकों उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-ग्राई टी सी (पाएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैर-2 में निर्धारित सूचना चालान के कानून "धन पर्यण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ब्यार" में निरूपण रूप से निर्दिष्ट की गई है। खजाना चालान में निम्नलिखित ब्योरे निरूपण रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(ब) वित्त मंत्रालय की भुगतान प्राधिकार पत्र (ए. पी.) की संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी सभरक को भुगतान करने की तिथि।

सत्यवचात सी. ए. ए. एंड ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान प्राधिकार पत्र का संदर्भ देने हुए और बीजक तथा पोल परिवहन वस्तुओं की प्रतियों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रूपया जमा करने का साक्ष्य देने हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एंड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:— भारत के आयातक के बैंक के यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप बैंक आफ इंडिया, टोकियो से अदायगी की सूचना और विनियम पोतलवान वस्तुओं की प्राप्ति के 10 दिनों के अन्दर निरूपण रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एंड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध बैंक को माइसेम की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पुष्टीकरण करना चाहिए और अपेक्षित "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-8 विविध प्रावधान

8(1) अनुदान सहायता के लिए उपयोग की रिपोर्टें

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलवानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलवान होना बाकी हैं, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी. ए. ए. एंड ए. आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यूको बैंक इण्डिया, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) विशेष शर्त के बारे में संभरकों को अधिसूचित करना

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल में संबंधित किसी ऐसी विशेष शर्तों से संभरक को प्रवृत्त कराए जो मसौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डालती हो।

(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच में यदि कोई विवाद होगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इण्डिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें माफ़ताफ "भुगतानों के नियमों में" अनुबन्ध-1 में आयातक द्वारा दर्शायी जानी चाहिए। विवादों में निपटने की शर्तें ठेके की शर्तों में शामिल होना चाहिए।

8(4) भारी अनुदान

आयात या कार्गो या उसके संबंध में उठने वाले किसी या सभी मामलों में भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निर्देशों अनुदानों या आदेशों का तथा जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के साथ येन क्रेडिट समझौता (परियोजना सहायता) सं. ग्राई टी पी-53 के अन्तर्गत सभी दायित्वों के आयातक को मुरतब पालन करना होगा।

8(5) अनिकरग य उत्पन्न

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात नियम (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

8(6) अनुबंधों की सूची—

1. अनुबंध-1 पत्र स्वीकृत देशों की सूची।
2. अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुबंध।
3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।
4. अनुबंध-4 राखपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)।
5. अनुबंध-5 राखपत्र का प्रात्र (सेवाओं के लिए लागू)।

उपान्ध-1

पत्र स्वीकृत देशों की सूची

क. विकासशील देश और क्षेत्र

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरक्को
सुनीशिया
2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा
अंगोला
बेनिन
बोतस्वाना
बुरुंडी
कमरोन
कैप वर्डे द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
चाड
कोमोरो द्वीप
कांगो, वाहामे जनवादी गणतंत्र
इक्वेटोरियल गिनी (1)
इथोपिया
गाम्बिया
घाना
गिनी
गिनी

(1) फरनांडो पी-नो द्वीप, सहित स्पेन गिनी का प्रदेश।

केम्पा
नेमोथो
माइबीरिया
मासासासी गणतंत्र
मावाबी
म नी
मारिटिनिया, म. रिशम
मेजोमिया
नार्कसर
पुर्तगाली गिनी
रियूनियन
रोडेनिया
रवांडा
सेंट हेलेना और डेप (2)
स ओ टोमो और प्रिमिपम
मेनेगल
सेचिर्गज
सीयरे विलोन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैंड
टंगो, अफर्स और इसास
टोगो
यूगान्डा
तजानिया गणतंत्र संघ
अपर बोस्टा
जाइरे गणतंत्र
जाम्बिया

3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय
बहामास
बरमुडा
बारबाडोस
बेलीज
कोस्टा रीका
क्यूबा
ड. मिन्किन गणतंत्र
एल साल्वाडोर
गुआलेप
ग्वाटेमाला
हट्टी
होम्बुरस
जमैका
मास्टीनिका
मैक्सिको
नॉर्थवैल्ड एस्टीरॉज
निकारागुआ
पनामा
सेंट पियरी और मिकलून
ट्रिनिडाड और टोबागो

3. अमेरिका उत्तरी और मध्य
बेस्टव्हीज (भाषा) एन. प्रयात्
(क) सहसंबंध राज्य (1)
(ख) आश्रित (2)

4. दक्षिणी अमेरिका
अर्जेन्टीना
बोलिविया
ब्राजील
चिली
कोलम्बिया
फाल्कलैंड द्वीप समूह
फ्रांस गिनी
गुयाना
पराग्वे
पीब
सुरिनाम

5. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
इजराइल
जोर्डन
लेबनान
ओमान
सिरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब एमिरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जनवादी गणतंत्र (4)

6. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
बंगलादेश
भुटान
बर्मा
भारत
मालदीव
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया
बर्मा
हांग कांग
खमेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
लाओस
मकाओ
मलेशिया
फिलीपाइन
मिंगापुर
ताइवान

- (1) मुख्य द्वीप एन्टिक, डामिनिका, ग्रेनेडा, मेन्ट किट्स (सेंट किस्टोफो)
नेबिस ग्रंगुइला, सेंट लुसिया और सेंट विलेस्ट ।
- (2) मेन आईलैंड, मोन्सेरत, सेमान तुर्क और कोइकोस और
ब्रिटिश बर्जिन द्वीप समूह ।
- (3) अजमन, कुवैत, फुजैराह, रास अल खैमाह, शारजाह और अम
अल क्वाईनान ।
- (4) अवन और विभिन्न गल्फमन और अमीरान सहित

(2) नेमन्विजिल द्वीप सहित—एस्कैनियन ट्रिस्टेन का हनएक्सेलबलस
माइटिंगले, गफ ।

(3) मुख्य द्वीप समूह, प्रश्व, बोनाइरे, क्यूराकाओ, साहा सेन्ट ।

भाइलैण्ड
निमोर
त्रियतनाम गणतंत्र
त्रियतनाम जनवादी गणतंत्र

- 8 श्रीमिनिया
कुव द्वीप समूह
फिजी
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
फ्रांसिस पोलिनेशिया (5)
नाम
न्यू कैलेडोनिया
न्यू हैबिसिस (अ और प्र.)
नियु
पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुवा न्यू गिनी
सोलोमन द्वीप समूह (आ)
टोगा
वालिस और फुतुना
पश्चिमी सामोआ

- 9 यूरोप
साइप्रस
जिब्राल्टर
ग्रीस
माल्टा
स्पेन
सुर्की
यूगोस्लाविया

- (5) सोसाइटी आई लेण्डम समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, टुआमोतू-गम्बियर ग्रुप और मार्क-नक्सम द्वीप समूह।
(6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रवेश कारोवीन द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मेरिन द्वीप समूह (गामा को छोड़कर)

- (क-2) यो पी ई सी के सदस्यगी देश
अल्जीरिया
बोसनिया
लीबियाई अरब गणतंत्र
नेशन
नाइजीरिया
इक्वडोर
केरगुना
ईराक
ईराक
कुवैत
अतार
साऊदी अरब
शाम धाबी
इन्डोनेशिया

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए
आवेदन पत्र

संख्या विनांक
सेवा में

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक
विस्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू को बैंक बिल्डिंग, प्रथम मजिल,
पामियामेड स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001।

त्रियतनाम गणतंत्र (198
के लिए परियोजना सहायता) के अन्तर्गत
को वा आयात।

सहोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट स आई डी पी-----
(परियोजना सहायता) के अधीन-----से-----के
आयात के संबंध में----- (बैंक का नाम) जो
कि नहीं होना चाहिए, जो नीचे (ड) में संस्करण विदेशी समरक के नाम में
साथ पत्र खेलने के लिए दिया गया है के पक्ष में प्राधिकार पत्र जारी
करने के लिए हम आपको निम्नलिखित और प्रस्तुत करते हैं --

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
(ख) आयात लाइसेंस की संख्या दिनांक और मूल्य और वह तारीख
जिस तक वैध है।
(ग) अधिप्राप्ति के तरीके-क्या वह सीधे तब पर आधारित है या
औपचारिक खुली अंतर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इस
सामर्थ्य में कारणों सहित वह निविदा करना चाहिए कि क्या
संविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर
किया गया है।
(घ) माल का सक्षिप्त विवरण।
(ङ) माल का उद्गम देश।
(च) पात्र से इतर स्त्रोत देणों में आधारित संघटकों का प्रतिनिध
यदि कोई हो तो
(छ) निविदा का कुल जहाज पर्यन्त नि शुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य
(येन में)।
(ज) यदि कोई हो तो राष्ट्रीय एजेंट के तस्वीर की धनराशि
(येन में)।
(झ) वास्तविक जहाज पर्यन्त नि शुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन
में) जिस के लिए प्राधिकार पत्र की जरूरत है।
(ञ) विदेशी समरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं
दिनांक।
(ट) विदेशी समरक का नाम और पता।
(ठ) भुगतान जर्ने और वे संभावित निधियां जिनको संविदा के
अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।
(ड) सुपुर्गों की पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
(ड) बैंक आफ इंडिया टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत
किए जाने वाले वस्तुवैज (प्रत्येक सेट की संख्या और उसका
मिपटान दिखाते हुए)।
(ण) पोतलदान अनुदेश (निर्वाह का कारण कि वाहनाभ्यरण/पोर्ट मिपेट
की अनुमति दी गई है या नहीं)।
(न) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
(ध) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) की गई है
और आपानी प्राधिकारियों को अधिभूषित कर दिया गया है
यदि हां, तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या दिनांक और मूल्य
और विल मंत्रालय का वह सदस्य जिसके अन्तर्गत ओ ई पी,
एफ को अधिभूषित किया गया है।
(द) क्या मालवाह के संवाहन और रख रखाव के लिए बैंक आफ
एशिया टोकियो को ये बैंक खर आयातक या संघटकों द्वारा
वहम किया जाने है।
(ध) आयातक द्वारा वचनबद्धता --

"हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके और दर से विदेशी
संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और सही जमा

करने के बचन देने हैं। प्रत्येक माप (आयातित सामग्री) की सुगुंरी सेने से पूर्व तत्काल निक्षेप जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संस्करणों के संबंधित बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होने और उनकी अदायगी करने की विदेशी राष्ट्रों की सेवाओं के लिए मुगलानों के मामले में निक्षेप कर दिए जाएंगे और संस्करणों की मुगलान कर दिया जाएगा।

उपस्थान-

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

ग

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राथमिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इण्डिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)।

विषय: येन क्रेडिट (परिमोचना महायता) ऋण करार में

आई. डी. पी. के अधीन आयात साख्यपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक 15-3-80 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्यौर के अनुसार संबंधी... के नाम से... येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साख्यपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

1. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख्यपत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ.ई.सी.एफ., भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पठाई जानी जाएगी।

3. साख्यपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संस्करणों की मुगलान आपकी निधि से किया जायगा। आप ओ.ई.सी.एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए मुगलान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करें।

4. विदेशी संस्करण को अदायगी करते समय आप (आयातक के बैंक का नाम व पता) मूल पोतलवान दस्तावेज (विनिमय), पूर्ण दस्तावेजों का अतिरिक्त सेट तथा संस्करण को की गई अदायगी का नाम डालने की सूचना, तत्काल अदायगी, यदि कोई की गई हो तो उसकी प्रति भेजे।

5. सप्ताह की आपकी द्वारा किए गए मुगलान की तारीख तथा ओ.ई.सी.एफ. द्वारा आपकी की गई उसकी प्रतिपूर्ति की तारीख तक की अवधि का आपकी देय व्याज प्रमारी तथा अन्य वकिंग प्रमारी जिसमें साख्यपत्र खोलने, उसके रखरखाव तथा संचालन पर होने वाले और लेन देन संबंध दस्तावेजों प्राप्ति से संबंधित बैंकिंग प्रसार शामिल हैं, का मुगलान भारतीय दूतावास, टोकियो आपको करेगा तथा उसे संबंधित विभागों के नाम डाला जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई मुगलान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपकी कर दी जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में हम मंत्रालय को भेजे दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संस्करणों के नाम से साख्यपत्र खोलने के लिए है। साख्यपत्र में बाव में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के मूल्दे मविष्य में साख्यपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र... तक वैध रहेगा।

9. कृपया हम करार में संबंधित सभी पत्राचार और मुगलान का उत्प्रेषण करने वाले सूचना पत्र में हम अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संस्था का उल्लेख करें।

भवदीय,

(सहाय्य प्राधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित—

1. आयातक... को उसके पक्ष में... विनांक... के मन्दर्भ में।

उत्ते अनुरोध है कि बैंकों से विविध दस्तावेजों की क्षितीयरी सेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तत्पश्चात् से अपने बैंकों के माध्यम से यथा निक्षेप आदि जमा करने का प्रबंध करें। विशेष परिस्थितियों के कारण यदि मास की क्षितीयरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलवान भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो क्षितीयरी सेने से पूर्व ही विशेष निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए मुगलान के मामले में जैसे ही सम्बन्ध बीजक मुगलान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जन्दी और टांक में न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित प्रावश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक...। यह आयात लाइसेंस में... विनांक... के मन्दर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के प्रनर्गत आयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया जाता है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आदेशों प्राप्ति को देखें और आयात/विदेशी मुगलान करने समय उचित कार्यवाई करें।

2(2) निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शांख से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संस्करण को येन मुगलान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संस्करणों की कुलाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई.टी.सी (पी.एन.) 76 दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संस्करणों को मुगलान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की संयुक्त दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और उसके अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज जो कि संस्करण की मुगलान की तारीख/बैंक आफ इंडिया, को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समनुल्या यथा भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई.टी.सी (पी.एन.) 83 दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संस्करण को मुगलान किया जाता है और वह तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा तो उसकी सूचना दी जाएगी) यह मुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, गई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, सीस हवारी में चालान के वाहिनी ओर कोड सं. 5130000004 दशांते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई.टी.सी (पी.एन.) 68, दिनांक 30-8-68 तथा 33-आई.टी.सी (पी.एन.) 68 दिनांक 14-10-1968, 134-आई.टी.सी (पी.एन.) 71, दिनांक 5-10-1971 सं. 74 आई.टी.सी (पी.एन.) 74 दिनांक 31-8-1974 तथा 103-आई.टी.सी (पी.एन.) 76, दिनांक 12-10-76 में किए गए प्रावधानों की ओर दिनांता जाता है। इस सेवा शीर्ष में रुपया

जमा कराना है। के डिपॉजिट एण्ड एंडोर्समेंट्स एंड सिविल डिपॉजिट्स डिपार्टमेंट कार परनेजिज एटनेट्रा एक्सेड एंड एंडोर्समेंट/वेन एडमिस्ट्रेशन मोन फ्रीम व गवर्नमेंट आफ जापान विनियन वेन क्रेडिट (एडमिन्सिना गवर्नमेंट) व एडमिन्सिना व एडमिन्सिना 1988 है।

जिन मामलों में मुख्य रूप से रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली व स्टेट बैंक आफ इंडिया, नया हजारी दिल्ली में मार्गदर्शित सूचना में 132-आई टी सी (पी एन) 171, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नवद जमा किया जाए उन मामलों में खालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जानी चाहिए, जिस के साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो जापान में प्राप्त सूचना रिपॉजिगरी का पूर्ण विवरण देने हुए एक अद्योपण पत्र भेजा जाएगा।

गठानना मेखा तथा मेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

पहली मजिल, ए. बी. बैंक बिल्डिंग

संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110001

जिन मामलों में मुख्य रूप से उपर मर्कलिन मार्गदर्शित सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी टुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रूप से वा पूरा द्यौरा इस विभाग की भेजना चाहिए।

खालायर की भुगतान की तारीख तथा ओ. ई. सी एफ द्वारा बैंक आफ टोकियो को की गई प्रतिपूर्ति की तारीख के बीच की अर्थधि का बैंक आफ इंडिया को देय ब्याज प्रभार तथा उसे देय अन्य वैकिंग प्रभारों वा भुगतान शुरू में भारतीय दूतावास, टोकियो द्वारा किया जाएगा तथा उसके बाद सर्वप्रति विभाग के नामे भेजा जाएगा।

3 निर्देशक, ऋण विभाग-2 आर्थिक सहयोग निधि, टाकेशामी कोडो बिल्डिंग, 4-1, ओहरेमारी - 1 कोमे, चियोडा कू, टोकियो 100, जापान।

4 भारतीय दूतावास, टोकियो।

5 अवर सचिव, जापान-अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

उपाध्यक्ष - 4

प्रपत्र ओ ई सी एफ. एन सी - 1

अपरिवर्तनीय साक्षपत्र

(मात्र के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में
यह साक्षपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार में दिनांक के अनुसरण से जारी किया गया है।

महोदय

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे श्रृंखल गल्ले के लिए आप के साइट डाफ्टो द्वारा उपलब्ध रहम या रहमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साक्षपत्र ग खोल दिया है जो (अर्थान् वेन) की मूल धनगणि में अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए -

हस्ताक्षरित पूर्ण आर्थिकीय बीजक, पोत परिवहन नियंत्रक लदान धिया जिसमें दिए गए आदेशों वा पूरा मेट हो तथा वेन पाठाकित एक चिन्हित 'फ्रेट एंड नेटिफाई' अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिनमें पोतगदान, (मात्र के लदान वा संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करने हुए सविधा में (यदि कोई हो) के अर्थ में से तक आशिक पोतगदान स्वीकृत है। वाहनपरण स्वीकृत है। लदान विल के बाद की निधि वा नहीं होना चाहिए। डाफ्ट में तक वेन के लिए अग्रभ प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अन्तर्गत सभी डाफ्ट तथा दस्तावेजों पर 'अपरिवर्तनीय साक्षपत्र ग' दिनांक के अन्तर्गत आहरण किया गया और आयात मदर्भ यक्ष्ता (महाण) (यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।

यह चेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस फ्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी डाफ्ट प्रस्तुत करने पर और आशिकता को दस्तावेजों की मुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

तब तक अस्थायी रूप में उल्लेखन किया जाए यह फ्रेडिट 'सुनिर्धारित कस्टम एंड प्रैक्टिस फार डाक्यूमेंटरी फ्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इण्टरनेशनल चेम्बर आफ कामर्स, ब्रॉणर में 290' के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अन्देश -

1 उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए वचनबद्धता पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि में अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुवेष्टों के अनुसार डाफ्टों की धनगणि को लौटा देंगे।

2 लेन-देन करने वाले बैंक को हम डाफ्ट और दस्तावेजों वा एक पूर्ण मेट और उसके साथ यह बताने हुए एक प्रमाणपत्र अग्रवेष्ट भेजना चाहिए कि षोष दस्तावेज सीधे ही त्वारई डाक द्वारा वा भेज दिए गए हैं।

3 इस फ्रेडिट के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आयातक/मार्भक के खाने में देय हैं।

भवदीय

()

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा

प्रामाणित हस्ताक्षर

उपाध्यक्ष - 5

प्रपत्र ओ ई सी एफ - एन सी - 2

अपरिवर्तनीय साक्षपत्र

(मेयाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

यह साक्षपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार में दिनांक के अनुसरण से जारी किया गया है।

(मार्भक का नाम और पता)

प्रति महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मुख्य के लिए हिनाधितारी के डाफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रहम जिसकी कुल धनगणि (वेन में) अंकित नहीं है, वा लिए आवेदक के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साक्षपत्र ग खोल दिया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में ठेका म. --- में संबंधित दस्तावेज होने चाहिए। लेन देन के लिए ट्राफ्ट --- से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ट्राफ्ट और दस्तावेजों पर "आधिकारिक नोटिस" --- के अन्तर्गत "ज्ञान" लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत उपर्युक्त शर्तों का अनुपालन करके सभी ट्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों की दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिबद्ध स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए, यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल चेम्बर आफ कॉमर्स ओथर नं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेशः

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (श्रेणी और इसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस नोटिस के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के मामले में उपयुक्त निष्पादन के विवरण के बजाए द्विआधारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित श्रेणियों के अधीन जारी किए गए वचन-बद्धता पत्र के उपर्युक्त शर्तों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि में भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ट्राफ्टों की राशि परेपिया करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में सथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ट्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस साक्ष्यपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आयातकों/संभरकों के हिसाब में देय है।

भवदीय,
आणिज्यिक सैक
द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साक्ष्यपत्र में --- का एक अतिरिक्त अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि --- लेन
औ कुल संविदा मूल्य का --- प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज --- द्विआधारी का विवरण
प्रस्तुत करने की अंतिम तारीखः

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग धनराशि --- लेन
औ कुल संविदा का मूल्य --- प्रतिशत है जिसका
भुगतान निम्नप्रकार से किया जाता है :-

देय धन राशि प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त, यथा ---

दूसरी किस्त, यथा ---

अपेक्षित दस्तावेजः (श्रेणियों के मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी
किए गए निष्पादन का एक पत्र संलग्न है।

एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :- श्रेणियों द्वारा म. --- के अन्तर्गत ---
परियोजना से संबंधित --- के नाम में --- लेन
के लिए --- द्वारा जारी किए गए साक्ष्यपत्र
की सं. --- दिनांक ---

में अधोहस्ताक्षरी (श्रेणी) का प्रतिनिधित्व करने हुए और ---
के बीच संविदा में --- में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार विदेशी
आर्थिक सहयोग निधि द्वारा --- लेन की धनराशि ---
--- लेन मात्र) प्राप्त करने के लिए ---
को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करना है।

(श्रेणी)

द्वारा ---

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :-

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।
भुगतान शर्तें ---

भुगतान की यह शर्त हमारे साक्ष्यपत्र में --- का एक अतिरिक्त अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि --- लेन;
कुल संविदा मूल्य का --- प्रतिशत है
अपेक्षित दस्तावेजः
अंतिम भुगतान तिथिः

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि --- लेन
कुल संविदा मूल्य का --- प्रतिशत है
अपेक्षित दस्तावेजः
प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः

3. पोन परिवर्तन दस्तावेजों के मुद्दे भुगतान

धनराशि --- लेन
कुल संविदा मूल्य का --- प्रतिशत है।

टिप्पणी :- यह संलग्न शीट पोन परिवर्तन दस्तावेजों के मुद्दे पूर्ण भुगतान
के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

Public Notice No. 150 ITC(PN)|88-91

New Delhi, the 28th July, 1989

Subject :—Licensing conditions in respect of import of equipment and services ID-P.53 for Yen 11.414 Billion for implementation of the Ghatghar Pumped Storage Project of Maharashtra Govt. (Irrigation Department) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

File No. IPC|23(53)|88-91.—The terms and conditions governing import equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P. 53 for Yen 11.414 Billion for Implementation of the Ghatghar Pumped Storage Project (2×125MW) of Maharashtra Govt. (Irrigation Department) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE

No. 150 ITC|PN|88-91, dated 28-7-1989

LICENSING CONDITIONS IN SUBJECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.53 FOR YEN 11.414 BILLION FOR IMPLEMENTATION OF THE GHATGHAR PUMPED STORAGE PROJECT OF MAHARASHTRA GOVT. (IRRIGATION DEPARTMENT) EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of 11.414 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Ghatghar Pumped Storage Project of Maharashtra Govt. (Irrigation Deptt.) is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under the credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD|CG committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 12,555 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence

and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC (PN)|74 dated the 6th June, 1974, issued by CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P.53". The first and second suffix to the licence code will be "S|IC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to West Bengal State Electricity Board which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Irrigation Department of Maharashtra on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 12.555 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension|issue of a fresh licence may be referred to the Deptt. of Economic Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian Licenses on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agent are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period

will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

1 (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

“.....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....”.

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-1992.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review and concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation the tender documents etc. will also be submitted to OECF for its reference.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—

(1) Terms of Reference.

(2) Short List of Consultants.

(3) Letter of Invitation.

(4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.

(d) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii), (b) and (c) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

U(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P.53 for 1988-89 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.

The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the eligible source countries and actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain material originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50 per cent) of the price

per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in———(name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50 per cent) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that———(Name of company) has been incorporated and registered in———(Name of eligible source country) has it appropriate facilities for producing or providing the goods and services in (name of eligible source country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated 15th December, 1988, concerning the Yen Credit No. ID-P.53 (Project Aid) for Ghatghar Pumped Storage Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.53 dated the 15th Dec., 88 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) the suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.

- (c) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV :—Review of Contract by OECF IV (i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of E.A.) will send Notice of conclusion of contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of F.A. to Embassy of India Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A, will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to Bank of India, Tokyo for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment of otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importers/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loans/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports, by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF and other banking charges of the Bank of India, Tokyo for opening, operation and maintenance of the letter of credit shall in the first instance be paid by the Embassy of India, Tokyo and then debited to the Department concerned.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI— Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, New Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments, calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC

(PN)|88 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74/ITC (PN)|74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-83.

The importer should made separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupees equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC- (PN)|74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 or as may be notified by the Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any charge in this regard will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government accounts promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances 8443 Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 11,414 Billion Yen credit No. ID-P. for the Ghatghar Pumped storage Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges

within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts Audit, UCO bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and

all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 53 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach of violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures.

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III Form of Letter of Authority.

Annexure—IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE—I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comore Islands
Congo, Peoples Republic of
Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

Mauritania, Mauritius
Moozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and de O(2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terro, Afar san
Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of anzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North end

Cont.

Bahamas
Barbades
Belizo
Bermuda
Costa Ricea
Quba
Dominican Republic
EL Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands An Tilles
Nicaratua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and obago

(2) Including the following islands : Ascension,
Tristan da Inaccessibles, Nightingale,
Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacae,
Saha, ST.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n.i.c.
(a) Associated States (1)
(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam

V. ASIA, Middle East

Baharam
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldivis
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Phillippines

1. Main Islands : Antique, Dominica, Grenada,
St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla,
St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks
and Caicos, and British Virgin Islands.

3. Aiman. Dubai, Fugairah, Ras al Khaimh,
Shrjah and Uma al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultantes and
emirates.

Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendenia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands: Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

ANNEXURE—II

REQUEST FOR ISSUE OF THE
LETTER OF AUTHORITY

NO.

Date :

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, 1st Floor, Parliament Street, New Delhi-110001.

Sub : Import of _____ from _____ under the Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid for 1988).

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (name of the bank) which should be the same as given in (P) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Suppliers.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.

(q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.

(r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers or supplier.

(s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the Payments made to the suppliers".

ANNEXURE- III

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P. ———— Issue
of Letter of Authority for opening Letter
of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980 entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen ———— favouring M/s. ———— as per attached details.

2. A copy each of the Letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately, reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to ———— (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF and other banking charges including those on account of opening, maintenance and for operating of the letter of credit as also those connected with handling negotiating documents etc. will be paid to you by the Embassy of India, Tokyo and debited to the Department concerned.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid up to ————

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :

1. Importer ———— with reference to their letter No. ———— dated ————.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2(i) Importers' Bankers. This has reference to import Licence No. dt. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice or etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of

amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that those deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan—billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P—for 198-8.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes receiving from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF and other banking charges of the Bank of India, Tokyo will be in the first instance paid by the Embassy of India, Tokyo and then debited to the Department concerned.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE—IV

From OCEP-LC I

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

To _____

Dated : _____

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

Agreement No. _____

Dated _____

between (Borrower) and THE
OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account _____ for a cum of sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any) from _____ to _____ partial shipments are _____ permitted. Trans-shipments is _____ permitted.

Bills of lading must be dated not later than _____ Drafts must be presented for negotiation not later than _____ All Drafts and documents under this credit must _____ be marked _____ irrevocable credit No. _____

"Drawn under _____ (_____ dated _____

and Import Deference No. (s) _____ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the

credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank.

1. after obtaining the reimbursement for our payments. From THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By : _____

Authorized Signature

ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

To

(Name and address of the Supplier)

Date :

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____

between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable Credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No."

This credit is not transferable

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto payment (CS) under this credit must be made in accordance with the payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the draft shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitute an integral part of our Letter of Credit No. _____

1. Initial Payments

Amount Yen : _____

being _____ % of the total contract period

Required documents : beneficiary's Statement
Latest presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount Yen : _____
being % of the total contract price to be
paid as follows :

Amount due Latest presentation

1st Instalment :

2nd Instalment :

Yen

Yen

Yen

Required document :

A copy of State of performance issued by
(Borrower or its designated authority)
a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date .

Ref. No.

To

(Name and address of the
Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____ dated
issued by _____
for Yen _____ in favour of
concerning _____
project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower),
hereby issue a Statement of Performance to entitle
_____ to receive the sum of _____ (Yen

only from THE OVERSEAS ECONOMIC CO-
OPERATION FUND in accordance with the pay-
ment Terms stipulated in the Contract No. _____
dated _____

between _____ and _____

(Borrower)

By : _____

(Authority Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be
stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part
of our letter of Credit No. _____

I. Initial payment

Amount Yen : _____

being _____ % of the total contract price
Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate payment (if any)

Amount Yen : _____

being _____ % of the total contract price.

Required document :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount Yen : _____

being _____ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case
of full payment against shipping docu-
ments.

